Need to include Supaul district in the Aspirational Districts Programme.-laid

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): मेरे संसदीय क्षेत्र सुपौल, बिहार का सीमावर्ती बाढ़ग्रस्त तथा अतिपिछड़ा जिला है। सुपौल की जनसँख्या 26 लाख के करीब है तथा सुपौल की जनता की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र होने के कारण शिक्षा, रोजगार, यातायात परिवहन तथा मरीजों के इलाज के लिए अच्छे अस्पताल जैसी मूलभूत सुविधाओं की बहुत कमी है। ऐसी तमाम सुविधाओं को प्रदान करने के लिए मानवीय आधार पर जनहित में सुपौल जिला को नीति आयोग के द्वारा आकांक्षी जिला में शामिल करने की कृपा की जाए।